दशम माला, खंड 46, अंक 14

गुरुवार, 14 दिसम्बर, 1995
23 अग्रहायण, 1917 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

PARLIAMENT LIBRARY
No. 55
Date 16.7.96

पन्द्रहवां - सत्र
(दसवीं लोक सभा)

सत्यमेव जयते

(खण्ड 46 में अंक 11 से 20 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्यः पचास रूपये

(अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जायेगा।)

विषय-सूची

दशम माला, खंड 46, पन्द्रहवां सत्र, 1995/1917 (शक)
अंक 14, गुरुवार, 14 दिसम्बर, 1995/23 अग्रहायण, 1917 (शक)

(*भाग —I प्रकाशित नहीं हुआ)

विषय	कालम
विविध	1—4

* इस तिथि के लिए निर्धारित तारांकित और अतारांकित प्रश्न 13.12.95 के वाद-विवाद में सम्मिलित किए गए हैं।

लोक सभा

गुरूवार, 14 दिसम्बर, 1995/23 अग्रहायण, 1917 (शक)

लोक सभा 11 बजे म.पू. पर समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

...**(व्यवधान)**...

[अनुवाद]

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : महोदय, दूरसंचार घोटाले की जांच करने के लिए हम जिस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करने की पिछले कुछ दिनों से मांग कर रहे हैं उसका क्या हुआ? ...**(व्यवधान)**

श्री सी.के. कुप्पुस्वामी (कोयम्बटूर) : महोदय, कावेरी नदी में बिलकुल भी पानी नहीं है।...**(व्यवधान)**

श्री मणि शंकर अय्यर (मईलादुतुराई) : महोदय, कावेरी नदी में तमिलनाडु की तरफ जरा भी पानी नहीं बह रहा है। समूचा कावेरी डेल्टा मरुस्थल बनता जा रहा है। हमें अब इस पर चर्चा करनी चाहिए।...**(व्यवधान)** कर्नाटक के मुख्य मंत्री ने एक बूंद भी पानी देने से इनकार कर दिया है। हमें इस पर अब चर्चा करनी होगी। ...**(व्यवधान)** हम इस पर अब चर्चा क्यों नहीं कर सकते हैं? ...**(व्यवधान)** हमें कावेरी जल विवाद पर चर्चा करनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : महोदय, सभा के समक्ष चर्चा के लिए बहुत से विषय हैं।...**(व्यवधान)**

श्री मणि शंकर अय्यर : महोदय, तमिलनाडु में सबसे अधिक धान उपजाऊ क्षेत्र अब एक मरुस्थल बन गया है। हम इस बारे में बात क्यों नहीं कर सकते हैं?...**(व्यवधान)** हमें कावेरी जल विवाद के बारे में अभी बात करनी चाहिए।...**(व्यवधान)**

[हिन्दी]

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर) : अध्यक्ष जी, आपके निमंत्रण पर विभिन्न दलों और सरकार के प्रतिनिधि आपके कक्ष में एकत्र हुये थे। इस सारे प्रकरण की चर्चा के दौरान यह बात सामने आयी कि यह मामला राज्य सभा से शुरू हुआ और बाद में लोक सभा में भी उठा। अच्छा होगा कि इस विषय में दोनों सदनों में विभिन्न दलों के नेताओं की एक सामूहिक बैठक हो और उसमें इस गतिरोध को दूर करने का प्रयास किया जाये।

मेरा सुझाव होगा कि आप वह बैठक आयोजित करें और सरकार उसमें सहयोग दे। तब तक के लिये आप सदन को स्थगित करें।

[अनुवाद]

श्री मणि शंकर अय्यर : महोदय, यदि वे लोग सभा से बाहर जाना चाहते हैं तो वे जा सकते हैं। सभा को कावेरी जल विवाद पर चर्चा करनी चाहिए।...**(व्यवधान)**

श्री बसुदेव आचार्य : महोदय, सरकार अभी तक हमारी मांग से सहमत क्यों नहीं हुई और उसे स्वीकार क्यों नहीं किया गया? ...**(व्यवधान)**

[हिन्दी]

श्री मणि शंकर अय्यर : आप चाहें तो तशरीफ ले जायें, हमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन हमें डिस्टर्ब मत करें।...**(व्यवधान)**

[अनुवाद]

महोदय, हमें कावेरी जल विवाद के बारे में बात करनी चाहिए। तमिलनाडु का सबसे अधिक धान उपजाऊ क्षेत्र मरुस्थल बनता जा रहा है।...**(व्यवधान)**...यदि वे सभा से बाहर जाना चाहते हैं तो उन्हें जाने दीजिए।

[हिन्दी]

आप लोग सदन से चले जाइए। हमें कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन सदन स्थगित न किया जाए।...**(व्यवधान)**

[अनुवाद]

जल संसाधन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : अध्यक्ष महोदय, सभा में जो कुछ हो रहा है कोई नहीं चाहता है कि सभा में ऐसा हो।...**(व्यवधान)** हम चाहते हैं कि सभा सामान्य रूप से कार्य करे। हम इस मामले पर आपके कक्ष में गहराई से चर्चा कर चुके हैं। जैसा कि माननीय सदस्य श्री आडवाणी जी ने यहां पर सुझाव दिया है कि इस मामले पर राज्य सभा के अपने सहयोगियों के साथ बैठ कर चर्चा करने के इच्छुक हैं। मैं समझता हूं कि इस काम के लिए दोपहर 2.30 बजे का समय सुझाया गया है और इसी समय दूसरी सभा के माननीय सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाएगा। हम बैठक करेंगे और मुझे विश्वास है कि हम कोई तरीका ढूंढ निकालेंगे।

इस सभा में जो कुछ होता रहा है उसके लिए मुझे खेद है। हम सबकी यह इच्छा है और मैं समझता हूं कि विपक्ष के नेता भी चाहते हैं कि यह सभा सामान्य ढंग से कार्य करे। हमें सभा में यथाशीघ्र सामान्य स्थिति बहाल करने की कोशिश करनी चाहिए और मुझे आशा है आज दोपहर बाद 2.30 बजे होने वाली बैठक में हम कोई सहमति बना लेंगे ताकि सभा सामान्य ढंग से कार्य करना शुरू कर सके। ...**(व्यवधान)**

श्री मणि शंकर अय्यर : अध्यक्ष महोदय, वह जल संसाधन मंत्री हैं। मुझे श्री शुक्ला जी से बहुत से प्रश्न पूछने हैं। वह कावेरी जल अधिकरण के अंतरिम आदेश को कार्यान्वित नहीं कर रहे हैं और इस कारण मेरा निर्वाचन क्षेत्र मरुभूमि बनता जा रहा है। मैं इस बारे में अभी बात करना चाहता हूं। मैं दोपहर 2.30 बजे तक प्रतीक्षा नहीं कर सकता हूं। मेरा पूरा निर्वाचन क्षेत्र कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पड़ता है। मैं इस बारे में बात कैसे नहीं कर सकता हूं? मैं इस बारे में बहुत चिंतित हूं।...**(व्यवधान)**...यदि वे सभा से बाहर जाना चाहते हैं तो उन्हें जाने दीजिए। मुझे मंत्री महोदय से प्रश्न पूछने हैं।...**(व्यवधान)**

[हिन्दी]

श्री शरद यादव (मधेपुरा) : इस बात का कोई मतलब नहीं है।..**(व्यवधान)**

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : यदि कुछ हो रहा है तो आप हाउस को चलने क्यों नहीं देते, हाउस में बहस करिये। आप हाउस में तो बहस करना नहीं चाहते और शोर करते हैं। हाउस में बहस कीजिये...**(व्यवधान)**

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : अब हमें बहुत खेद है कि हम सभा में कोई कार्य नहीं कर सके। हमें प्रसन्नता है कि नेतागण आपस में मिले हैं और इस समस्या को इस तरह से हल करने की कोशिश कर रहे हैं जिससे इस सभा की गरिमा बहाल होगी और सदस्यों को विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। मैं उस भावना की सराहना करता हूं जिस भावना से सभी दलों के नेता इस पर चर्चा कर रहे हैं। हमारी हमेशा से यह भावना रही है कि हम अपनी बातों पर जोर देते रहे हैं और हम यह भी चाहते हैं कि एक-दूसरे का विरोध करने वाले सभी पक्षों सहित विपक्ष को हमारी बात स्वीकार करनी चाहिए और साथ ही यह वे तत्काल हमारी सहायता नहीं करते हैं तो हम कतिपय प्रक्रियाओं, जो वास्तव में हमारे लिए सहायक हैं, उन पर सहमत होते रहे हैं।

मैं उन सदस्यों की चिन्ता का अंदाज लगा सकता हूं जो अपने मुद्दों को उठाना चाहते हैं और मैं यह भी समझता हूं कि उन्हें भी अवसर मिलना चाहिए। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह गतिरोध इस तथ्य के मद्देनजर उत्पन्न किया गया है कि और मेरा कहना है कि ऐसा लगता है, कोई सहमति बन सकती है, हमें एक दूसरे के विचारों और सुझावों को समझना चाहिए। मुझे आशा है कि यदि यह हमारे लिए संभव हुआ तो दोनों सभाओं के नेता बैठ कर इन बातों पर निर्णय ले सकते हैं। मैं समझता हूं कि इस तथ्य के बावजूद कि आपको अपनी बात कहनी है आप आज इस बात पर जोर देने की कृपा नहीं करेंगे और हम देखेंगे कि हम बाद में यह काम कैसे कर सकते हैं। कल नेताओं की बैठक में जिस बात पर सहमति हुई थी कृपया मुझे उसे कार्यान्वित करने की अनुमति दीजिए और आज हमें कम से कम...तक स्थगित कर देनी चाहिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं समझता हूं कि अभिप्रेत से मुझे यह कहा जा रहा है कि कल हम काम करेंगे।

मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और मैं आपकी चिन्ता समझता हूं और कृपया दोनों पक्ष सदस्यों की भावनाओं को ध्यान में रखें। हम सभा कल ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित करते हैं।

11.13 म.पू.

तत्पश्चात लोक सभा शुक्रवार, 15 दिसम्बर, 1995/24 अग्रहायण, 1917 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।